



धूल पैदा करने वाली साइटों पर लगाई गई दो एंटी स्मॉग गन

नोएडा, 24 फरवरी, (नवोदय टाइम्स): नोएडा और ग्रेटर नोएडा की कंस्ट्रक्शन साइटों पर धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दो एंटी-स्मॉग गन लगाए गए हैं। दो एंटी-स्मॉग गन नोएडा में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स-इंडिया फैक्ट्री में और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में गौरसिस इंडिया की एक आवासीय परियोजना में स्थापित किया गया है। यह एंटी स्मॉग गन सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार फर्मों द्वारा लगाई गई हैं।

मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि दिल्ली-एनसीआर में एंटी-स्मॉग गन का इस्तेमाल परियोजना स्थलों पर किया जाना चाहिए। यह एंटी गन धूल पैदा करने वाले 20,000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल वाली साइटों पर लगाए जाएं।



गौर सिटी में लगी एंटी स्मॉक गन।

अधिकारियों के अनुसार, स्मॉग वायुमंडल में मौजूद पार्टिकुलेट मैटर के संचय और औद्योगिक इकाइयों, वाहनों और अन्य समान स्रोतों से उत्सर्जित महीन कणों द्वारा बनता है। इस तरह के स्मॉग से न केवल धुंध पैदा होती है बल्कि स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। ऐसे हालात में एंटी स्मॉग गन तैनात है। यह परमाणु जल

छिड़कता है ताकि धूल और कण बैठ जाएं। एंटी स्मॉग गन से निकलने वाली बूंदें अल्ट्रा फाइन होती हैं। यूपीपीसीबी के पर्यावरण इंजीनियर उत्सव शर्मा ने बताया कि पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए यह एक अच्छी पहल है। जब भी प्रदूषण का स्तर बढ़ेगा, एंटी-स्मॉग गन मदद करेगा।